ECONOMICS (अर्थशास्त्र)

अर्थशास्त्र–

इसमें संसाधनों के वितरण का अध्ययन करते हैं, जिससे एक उपभोक्ता (मुद्रा एवं समय) को अधिक से अधिक संतुष्टि प्राप्त हो, एक उत्पादक (भूमि, श्रम, पूंजी, संगठन) को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो एवं सरकार समाज कल्याण कर सके।

उत्पादन के साधन -

1. भूमि, 2. श्रम, 3. पूँजी, 4. संगठन

→ अर्थशास्त्र में वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन, वितरण, विनिमय एवं उपभोग होता है।

★ **व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro Economics)**–इसमें एक लघु-स्तरीय अध्ययन करते हैं, जैसे- एक उपभोक्ता के मांग का अध्ययन एक उत्पादक की आपूर्ति का अध्ययन। आदि।

→ इसे कीमत सिद्धांत (Price Theory) भी कहते हैं।

★ **समष्टि अर्थशास्त्र (Macro Economics)** –इसमें समग्र स्तर का अध्ययन होता है। जैसे- राष्ट्रीय, आय, गरीबी, बेरोजगारी का अध्ययन।

	सकारात्मक अर्थशास्त्र (Positive Economics)	नियामक अर्थशास्त्र (Normative Economics)
1.	यह आंकड़ों एवं तथ्यों से संबंधित है।	यह मतों एवं निर्णयों पर आधारित है।
2.	क्या था, क्या है एवं क्या होगा। (What was, What is & What would be)	क्या होना चाहिए। (What Ought to be)

	अर्थशास्त्र (Economics)	अर्थव्यवस्था (Economy)
1.	यह सिद्धांतों एवं नियमों से संबंधित है। क्या होगा।	यह किसी एक विषेष क्षेत्र में अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को लागू करने का अध्ययन है।

अर्थव्यवस्था के प्रकार-

1. **पूँजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy)** –इसमें अधिक से अधिक संसाधन निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में होते हैं। अर्थात् सभी आर्थिक गतिविधियों निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित की जाती है।
   - → उत्पादक की गुणवत्ता एवं मात्रा उपभोक्ताओं की माँग के आधार पर होती है।
   - → बाजार सेनाओं (Market Force) (माँग, आपूर्ति) का स्वतंत्र प्रवाहन-लाइसेज फेयर।
   - → मुख्य विशेषता- लाभ कमाना
   - → उद्यम की स्वतंत्रता।
   - → सरकार का कम हस्तक्षेप।
   - → उपभोक्ता संप्रभुता (Consumer Sovereignity)
   - → कीमत तंत्र (Price Mechanism)

   China, USA, France, कनाडा आदि।
2. **समाजवादी अर्थव्यवस्था**–उत्पादन के साधनों पर समुदाय का स्वामित्व होता है।
   - → सरकार का अधिक नियंत्रण।
   - → मुख्य उद्देश्य- अधिक से अधिक समाज कल्याण। आय का समान वितरण, आत्म-निर्भरता।
   - → केन्द्रीय आर्थिक योजना। (Central Economic Planning)
   - → बाजार की सेनाओं का अभाव।
   - → उपभोक्ताओं के लिए कोई विकल्प नहीं।
3. **मिश्रित अर्थव्यवस्था–**

   1. दोनों निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र

   ↓ ↓

   लाभ कमाना समाज कल्याण

2. आर्थिक नियोजन ।

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र–

(1) गतिविधियों के आधार पर

1. प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector)
2. द्वितीयक क्षेत्र (Secondary Sector)
3. तृतीयक क्षेत्र

   ↙ ↘

   चतुर्धातक (Quaternary) क्विनरी (Quinary)

(2) काम करने की स्थिति के आधार	(3) स्वामित्व के आधार पर
1. संगठित (Organised)	1. सार्वजनिक (Public)
2. असंगठित (Unorganised)	2. निजी (Private)

प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector)–

1. यह भूमि एवं संबंधित गतिविधि से जुड़ा होता है।
2. अन्य क्षेत्रों को कच्चा माल देता है।
   जैसे-कृषि, मत्स्य पालन, डेयरी, पशु-पालन, खनन एवं उत्खनन
3. जो लोग इसमें कार्यरत होते हैं, उन्हें Red Collar Workers (लाल कालर धारी) कहते हैं।
4. भारतीय अर्थव्यवस्था में इसका न्यूनतम योगदान है, लेकिन सर्वाधिक जनसंख्या इसी में है।

द्वितीय क्षेत्र (Secondary Sector)–

1. इसमें प्राथमिक क्षेत्र के कच्चे माल को अंतिम वस्तुओं में परिवर्तित किया जाता है।
2. औद्योगिक एवं उत्पादन क्षेत्र भी कहते हैं।
3. चीनी मिल, कपड़ा उद्योग, लौह एवं इस्पात उद्योग, सड़क-निर्माण, बिजली उत्पादन।
4. Blue Collar Worker

तृतीय क्षेत्र (Tertiary Sector)–

1. सेवाओं से संबंधित क्षेत्र हैं, इसे सेवा-क्षेत्र भी कहते हैं।
2. शिक्षण, Banking, बीमा, यातयात आदि।
3. White Collar Workers.
4. सेवा क्षेत्र को दो अन्य क्षेत्रों में विभाजित किया गया।

(a) चतुर्धातक क्षेत्र (Quaternary)–

1. ज्ञान संबंध क्षेत्र है।
2. प्राथमिक एवं विश्व-विद्यालयों की कक्षाये।
3. शोध एवं विकास

(b) Quinary Sector (पंचंग)—

1. देश के सर्वोच्च निर्णय लेने वालें से संबंधित है।
2. वरिष्ठ व्यावसायिक अधिकारी, सरकारी अधिकारी अनुसंस्थान वैज्ञानिक एवं उच्च वेतन प्राप्त
3. Gold Collar Workers

★ कार्य करने की स्थिति के आधार पर अर्थव्यवस्था के क्षेत्र–

1. संगठित क्षेत्र
2. असंगठित क्षेत्र

आधार	संगठित	असंगठित
1. रोजगार की शर्तें तय की जाती है।	✔	✗
2. सरकारी नियम	✔	✗
3. नियमित मासिक वेतन	✔	✗
4. नौकरी की सुरक्षा	✔	✗
5. कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधायें पेंशन आदि जैसे अतिरिक्त लाभ	✔	✗

★ **स्वामित्व के आधार पर अर्थव्यवस्था के क्षेत्र-**

1. सार्वजनिक क्षेत्र– सरकार $\geq$ 51%
2. निजी क्षेत्र – सरकार $\leq$ 51%

★ अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों के आधार पर अर्थव्यवस्था के प्रकार–

1. Open Economy – आयात एवं निर्यात बाह्य देशों के साथ।
2. Closed Economy – नहीं

विकास के आधार पर अर्थव्यवस्था के प्रकार-

क्र.स. आधार	विकसित	विकासशील/अविकसित
1. GD Growth	↑	↓
2. प्रति व्यक्ति आय	↑	↓
3. गरीबी	↓	↑
4. बेरोजगारी	↓	↑
5. जीव-स्तर	↑	↓
6. आय का वितरण	समान	असमान
7. उत्पादन के साधनों का प्रयोग	प्रभावी	अप्रभावी

Note : -

→ आर्थिक विज्ञान में स्वेरेजिस (अर्थशास्त्र का Nobel) रिक्त बैंक पुरस्कार- विश्व का पहला केन्द्रीय बैंक (1668), Stockholm, स्वीडन

→ सर्वप्रथम अर्थशास्त्र का
I Noble Prize → Ragnar Frisch & Jan Tinbergen
1969

→ एडम स्थिम (Wealth of Nations)- अर्थशास्त्र के जनक
An Inquiry into the Nature and Causes of Wealth of Nation – 1776

→ समष्टि अर्थशास्त्र के जनक–
J. M. Keyns
→ General Thoery of Employment Interest & Money - 1936